शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

द्वितीय वर्ष (कला विद्या शाखा) हिंदी (ऐच्छिक),

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)

सत्र – IV, प्रश्नपत्र क्रमांक - V

रोजगार परक हिंदी

(शैक्षिक वर्ष - 2019-20, 2020-21 और 2021-22)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।

उद्देश्य:-

- छात्रों में हिंदी में कार्य करने की विचार क्षमता, कल्पनाशीलता एवं रुचि विकसित कराना ।
- रोजगार उन्मुख शिक्षा एवं कौशल प्रदान कराना ।
- कार्यालय और व्यवसाय में हिंदी प्रयोग का कौशल ज्ञान विकसित कराना ।
- पत्राचार के स्वरूप का परिचय कराना ।
- अनुवाद और व्यवहारिक लेखन का महत्व तथा उपयोगिता से परिचित कराना ।
- छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठण एवं लेखन कौशल को विकसित कराना।

अध्यापन पद्धति:-

- व्याख्यान, विश्लेषण।
- चर्चा संगोष्ठी।
- आई.सी.टी. का प्रयोग।
- अधिकारी एवं विद्वानों से साक्षात्कार।

पाठ्य विषय-

- मानक हिंदी और पारिभाषिक शब्दावली का विवेचन।
- अनुवाद का रोजगार परक विवेचन ।
- रोजगार परक हिंदी की उपयोगिता स्पष्ट कराना ।
- पत्र लेखन के प्रकारों का विवेचन।

इकाई-1. रोजगार परक सामान्य जानकारी।

अ) मानक हिंदी: गणितीय अंकों का देवनागरी लिपि में लेखन। परिशिष्ट)1 के अनुसार। (

आ) पारिभाषिक शब्दावली । परिशिष्ट)2 के अनुसार ।(इकाई-2. अनुवाद स्वरूप : संक्षेप में परिचय।

अ) अपठित मराठी परिच्छेद का हिंदी अनुवाद।

आ) मुहावरों का अर्थ लिखना । परिशिष्ट)3 के अनुसार ।(इकाई-3. रोजगार परक पद: सामान्य परिचय।

1. हिंदी अनुवादक।
2. राजभाषा अधिकारी।
3. अनुसंधान अधिकारी।
4. निवेदक।
5. क्रीडा समालोचक।
6. गीतकार।

इकाई- 4. पत्र लेखन।

1. नौकरी के लिए आवेदन पत्र ।
2. पदाधिकारियों के नाम पत्र ।

(बैंक व्यवस्थापक, प्राचार्य, पोस्ट मास्टर, नगरपरिषद- मुख्याधिकारी और रेल अधिकारी(

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. मीडिया कालीन हिंदी स्वरूप एवं संभावनाएं, डा. अर्जुन चव्हाण, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सामान्य हिंदी, संपादक जी. के. चोपड़ा, यूनिक पब्लिकेशर्स, नई दिल्ली।
3. प्रयोजनमूलक व्यवहारिक हिंदी, ओमप्रकाश सिंहल, जगतराम एंड संस,अंसारी रोड, नई दिल्ली।
4. हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर, प्रा.विकास पाटील, ए.बी.एस.पब्लिकेशन, वाराणसी।
5. हिंदी की मानक वर्तनी,कैलाशचंद्र भाटिया, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. प्रयोजनमूलक हिंदी, 'साहित्य सरोवर'- डा.श्रीमती आशा मोहन, साहित्य सरोवर प्रकाशन, प्रभु नगर,आगरा।
7. हिंदी व्याकरण, कामताप्रसाद गुरू, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।
8. सामान्य हिंदी एवं संक्षिप्त व्याकरण,ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह,प्रकाशक-यूनिकॉर्न बुक्स, दरियागंज, नई दिल्ली।
9. मुहावरे, लोकोक्तियां एवं कहावतें, रजत प्रकाशन, मेरठ।
10. बृहद प्रशासन शब्दावली, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली।

****